RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 21 DECEMBER TO 27 DECEMBER 2022 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 08 ■ अंक 14 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

रूस से सस्ता तेल खरीदकर धड़ाधड़ बेच रहा भारत Page 2

चीन हुआ बीमार, कीमत चुका रहीं भारतीय कंपनियां Page 4

लैंड रोवर ने भारत में यात्रा के अनूठे अनुभवों, डिफेंडर जर्नीज़ को पेश किया Page 7

editoria!

कर संग्रहण में वृद्धि

वर्तमान वित्त वर्ष 2022-23 में भारत के प्रत्यक्ष कर संग्रहण में 25.90 प्रतिशत की बड़ी बढ़ोतरी हुई है. आयकर विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार, 17 दिसंबर तक कुल संग्रह की राशि 13,63,649 करोड़ रुपये रही. इसी अवधि में पिछले वर्ष 10,83,150 करोड़ रुपये संग्रहित किये गये थे. प्रत्यक्ष कर में कॉर्पोरेशन टैक्स, व्यक्तिगत आयकर तथा प्रतिभूति लेन-देन कर शामिल होते हैं. प्रत्यक्ष कर संग्रहण में इस उल्लेखनीय वृद्धि से यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि अर्थव्यवस्था कोरोना महामारी के असर से बहुत हद तक निकल चुकी है तथा कंपनियों एवं व्यक्तियों की आमदनी में बढ़ोतरी हो रही है. इस वर्ष की पहली दो तिमाहियों में सकल घरेलू उत्पादन में अपेक्षित वृद्धि के साथ करों के संग्रहण को देखा जाना चाहिए. उल्लेखनीय है कि पिछले माह कई महीनों के अंतराल के बाद मुद्रास्फीति की दर छह प्रतिशत से नीचे आयी है. मुद्रास्फीति में कमी से लोगों की आमदनी पर सकारात्मक असर पड़ेगा और भविष्य में कर संग्रहण में भी बढ़त बरकरार रहेगी. इस क्रम में यह भी ध्यान में रखना चाहिए कि कुल प्रत्यक्ष कर संग्रहण में वृद्धि के साथ वास्तविक संग्रहण में भी 19.81 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है. यह आंकड़ा 11,35,754 करोड़ रुपये है, जो पिछले वित्त वर्ष में इसी अवधि में 9,47,959 करोड़ रुपये रहा था. वर्ष 2021-22 में कुल प्रत्यक्ष कर संग्रहण 14.10 लाख करोड़ रुपये हुआ था. इसे मद्देनजर रखते हुए चालू वित्त वर्ष में संग्रहण का लक्ष्य 14.20 लाख करोड़ रुपये निर्धारित किया गया था. ताजा आंकड़ों से इंगित होता है कि वित्त वर्ष के अंत तक न केवल इस लक्ष्य को हासिल किया जायेगा, बल्कि उससे अधिक राजस्व सरकारी कोष में आयेगा. प्रत्यक्ष कर जमा करने के बाद विभिन्न रियायतों के तहत कुछ राशि करदाताओं को वापस की जाती है. वर्तमान वित्त वर्ष में अब तक 2.28 लाख करोड़ रुपये वापस किये गये हैं. इसमें भी बीते साल इसी अवधि की तुलना में 68 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई है. पिछले कुछ वर्षों से कराधान प्रणाली में अनेक सुधार किये गये हैं तथा तकनीक को व्यापक स्तर पर अपनाया गया है. इससे कर जमा करने में सुविधा भी हुई है और पारदर्शिता भी आयी है. तकनीकी सुविधाओं के विस्तार ने करदाताओं के लिए आय और कर का विवरण देना सुगम हो गया है तथा उन्हें कार्यालयों के फेरे नहीं लगाने पड़ते हैं. हर खाता चूंकि अब पैन कार्ड और आधार संख्या से जुड़ा हुआ है, तो कर विवरण के पत्र पर सूचनाएं पहले से ही भरी होती हैं और कर दाता उसमें संशोधन कर सकता है या अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है. नये करदाताओं की संख्या बढ़ना भी उत्साहजनक है और अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा संकेत है.

रूस की भारत को एक और सौगात, पहले सस्ता तेल, अब देगा एडवांस न्यूक्लियर ईंधन

नई दिल्ली। एजेंसी

रूस अब भारत को एक और नई सौगात देने जा रहा है। वह पहले से सस्ता कच्चा तेल भारत को उपलब्ध करा रहा है. अब नई पेशकश कुडनकुलम परमाणु संयंत्र के लिए की गई है। भारत और रूस के संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के समय से जहां रूस ने भारत को सस्ते में कच्चा तेल देना शुरू किया है, वहीं अब खबर है कि वह कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र के लिए एक खास तरह का न्यूक्लियर फ्यूल भी भारत को देने जा रहा है। गौरतलब है कि भारत में कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र को रूस के सहयोग से ही स्थापित किया गया है। इससे जुड़ी नई जानकारी विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जीतेंद्र सिंह ने संसद में दी है।

रूस का एडवांस फ्यूल देने की पेशकश

केंद्रीय मंत्री जीतेंद्र सिंह ने लोकसभा में एक प्रश्न का लिखित जवाब देते हुए बताया कि रूस की सरकारी परमाणु ऊर्जा कंपनी Rosatom ने कुडनकुलम न्यूक्लियर पॉवर प्लांट के लिए एडवांस फ्यूल की पेशकश की है। उन्होंने कहा कि TVS-2M नाम के परमाणु ईंधन का पहला लॉट मई-जून 2022 के दौरान प्राप्त हुआ। मिंट की खबर के

मुताबिक उन्होंने कहा कि इसे परमाणु ऊर्जा संयंत्र की यूनिट-1 में लोड किया जा चुका है और ये बेहतर तरीके से काम कर रहा है।

क्यों खास है TVS-2M फ्यूल?

मंत्री जीतेंद्र सिंह ने बताया कि TVS-2M से कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र को 18 महीने की ऑपरेटिंग साइकिल मिलती है, जबकि यूनिट-2 में इस्तेमाल में लाए जा रहे UTVS फ्यूल की साइकिल 12 महीने की है। अब रूस ने यूनिट-2 के लिए भी UTVS टाइप के ईंधन की जगह TVS-2M टाइप का ही ईंधन देने की पेशकश की है।

पहले से भारत को मिल रहा सस्ता तेल

इससे पहले रूस ने भारत को सस्ता कच्चा तेल उपलब्ध कराना शुरू किया है। ये भारत की ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में एक बड़ा कदम है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने के बाद जब पश्चिमी देशों ने रूस पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए, तो उसने चीन और भारत जैसे बड़े देशों को सस्ता कच्चा तेल बेचना शुरू किया। भारत को रूस से कच्चा तेल 70 डॉलर प्रति बैरल से भी कम कीमत पर मिल रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव होने के बावजूद भारत ने रूस से तेल खरीदना जारी रखा है।

भारत का रुपया खत्म करेगा डॉलर की बादशाहत!

रूस के बाद अब ये पड़ोसी देश भी कर सकता है रुपए में कारोबार

नई दिल्ली। एजेंसी

डॉलर की कमी से जूझ रहे श्रीलंका ने भारत के रुपये में कारोबार पर सहमति जताई है। अब सेंट्रल बैंक ऑफ श्रीलंका को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के अप्रूवल का इंतजार है। श्रीलंका की अर्थव्यवस्था की हालत इस समय काफी खराब है। लेकिन इस मुश्किल दौर में भारत ने अपने पड़ोसी देश का साथ खूब दिया है। इस निराशा भले माहौल में अच्छी खबर आई है। डॉलर की कमी से जूझ रहे श्रीलंका ने भारत के रुपये में कारोबार पर सहमति जताई है। अब सेंट्रल बैंक ऑफ श्रीलंका को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया अप्रूवल का इंतजार है। आरबीई की हरी झंडी के बाद श्रीलंका, भारतीय रुपये को विदेशी करेंसी के रूप में इस्तेमाल कर पाएगा। रिपोर्ट्स के अनुसार श्रीलंका बैंक ने स्पेशल वोस्त्रो रुपये अकाउंट खोले हैं। इस अकाउंट्स को ओपन करने के बाद श्रीलंका के लोग फिजिकल फॉर्म में 8,26,823 रुपये रख सकते हैं। इसके अलावा श्रीलंका और भारत के लोग एक दूसरे से व्यापार करने के लिए डॉलर की जगह रुपये का प्रयोग कर सकता है। बता दें, रूस बहुत जल्द रुपये में कारोबार शुरू करने वाला पहला देश बन सकता है।

इसका फायदा भारतीय रुपये को कैसे होगा?

सामान्य तौर पर जब हम आस-पास के किसी बाजार में दुकान से सामान खरीदते हैं तब रुपये में लेन- देन करते हैं। लेकिन जब विदेशों से सामान की खरीद और बिक्री होती है तो उसके लिए डॉलर का उपयोग करते हैं। जिसका फायदा अमेरिका को होता है। लेकिन जैसे-जैसे अलग-अलग देश रुपये में ट्रेड करने लगेंगे वैसे हमारी निर्भरता कम होने लगेगी। यानी डॉलर के वर्चस्व को चुनौती मिलनी शुरू हो जाएगी।

ये देश भी रुपये ट्रेड करने का विचार कर रहे हैं

श्रीलंका और रूस ही नहीं, तजाकिस्तान, क्यूबा, सुडान जैसे देश भी रुपये में कारोबार करने की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। रुपये के इंटरनेशनल लोकप्रियता का फायदा भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए काफी लाभदायक हो सकता है। इससे भारत का व्यापार घाटा कम होगा।

ईपीएफओ ने अक्टूबर में शुद्ध रूप से 12.94 लाख अंशधारक जोड़े

नयी दिल्ली। एजेंसी

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अक्टूबर में शुद्ध रूप से 12.94 लाख अंशधारक जोड़े हैं। श्रम मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि करीब 2,282 नए प्रतिष्ठानों ने पहली बार कर्मचारी भविष्य निधि एवं विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 का अनुपालन शुरू किया है और वे अपने कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध करा रहे हैं। पेरोल आंकड़ों की सालाना आधार पर तुलना से पता चलता है कि अक्टूबर, 2022 में अंशधारकों की संख्या में शुद्ध रूप से 21,026 का इजाफा हुआ है। ईपीएफओ के अस्थायी पेरोल आंकड़ों के अनुसार, माह के दौरान कुल 12.94 लाख अंशधारक जोड़े गए। इनमें से 7.28 लाख नए सदस्य पहली बार ईपीएफओ के सामाजिक सुरक्षा दायरे में आए हैं। नए अंशधारकों में सबसे ज्यादा 2.19 लाख सदस्य 18 से 21 साल की आयु वर्ग के हैं। वहीं 22 से 25 साल की आयु के 1.97 लाख नए अंशधारक जोड़े गए हैं। इस तरह कुल नए अंशधारकों में से 57.25 प्रतिशत 18-25 आयु वर्ग के हैं। समीक्षाधीन महीने में 5.66 लाख अंशधारक अपनी नौकरी बदलकर ईपीएफओ से निकलकर फिर इसका हिस्सा बने। अक्टूबर, 2022 में ईपीएफओ से शुद्ध रूप से 2.63 लाख महिला सदस्य भी जुड़ीं। इनमें से 1.91 लाख महिलाएं पहली बार ईपीएफओ से जुड़ी हैं। राज्यवार देखा जाए, तो माह-दर-माह आधार पर केरल, मध्य प्रदेश और झारखंड में ईपीएफओ अंशधारक शुद्ध रूप से बढ़े हैं।

रूस से सस्ता तेल खरीदकर धड़ाधड़ बेच रहा भारत

पेट्रोलियम प्रोडक्ट के निर्यात का पूरा गणित

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत कच्चे तेल के बड़े आयातक देशों में शामिल है। भारत अपनी जरुरत का 80 फीसदी हिस्सा आयात करता है, जबकि मात्र 20 फीसदी हिस्सा भारत में उत्पादित होता है। भारत अपने पुराने दोस्त रूस से सबसे अधिक तेल खरीदता है। पेट्रोल-डीजल की अधिकांश जरूरत विदेशों से आयात किए गए कच्चे तेल से पूरी की जाती है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में भारत ने 119 अरब डॉलर का कच्चा तेल आयात किया। तेल मंत्रालय के पेट्रोलियम प्लानिंग ऐंड एनालिसिस सेल द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक साल 2021-22 में भारत ने कच्चे तेल पर बीते वित्त वर्ष की तुलना में लगभग दोगुना खर्च किया। तेल का बड़ा आयातक देश होने के साथ-साथ भारत में पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स का निर्यात भी बढ़ा है।

बढ़ रहा है पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स का निर्यात

देश की रिफाइनिंग क्षमता मजबूत होने के कारण भारत जो देश का बड़ा आयातक देश हैं, उसका पेट्रोलियम निर्यात भी बढ़ रहा है। कच्चे तेल की रिफाइनिंग के बाद बने प्रोडक्ट्स जैसे पेट्रोल ,डीजल, एलपीजी का निर्यात करता है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में भारत ने 42.3 अरब डॉलर का पेट्रोलियम निर्यात किया। इस समयसीमा में भारत के पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स का निर्यात 61.8 मिलियन टन रहा। भारत तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक देश है। कच्चे तेल को आयात करके उसे रिफाइन कर वो पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स को नीदरलैंड, ब्राजील, कांगो, इंडोनेशिया, साउथ अफ्रीका , इंडोनेशिया, फ्रांस, अमेरिका, चीन सहित कई देशों में भेजता है। भारत के कुल निर्यात में पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स के निर्यात की हिस्सेदारी में भी बढ़ोतरी हो रही है। इसी साल अप्रैल-अगस्त के बीच भारत के कुल निर्यात में पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की हिस्सेदारी बढ़कर 21.2 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो उसका सर्वोच्च स्तर रहा।

तीसरा सबसे बड़ा आयातक देश कैसे करता है निर्यात

भारत कच्चे तेल का तीसरा सबसे बड़ा आयातक देश है, लेकिन देश में पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स का निर्यात भी धीरे-धीरे बढ़ रहा है। रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी जो विदेशों से कच्चा तेल खरीदकर इसे रिफाइन करती है अपने प्रोडक्शन का अधिकांश हिस्सा निर्यात करती है। रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी दुनिया की सबसे बड़ी कच्चे तेल की रिफाइनरी है। यहां एक दिन में करीब 13,60,000 बैरल कच्चे तेल को रिफाइन किया जाता है। इन रिफाइन प्रोडक्ट्स का अधिकांश हिस्सा विदेशों को निर्यात किया जाता है। रिलायंस के साथ-साथ निजी क्षेत्र की रिपाइनरी अच्छी खासी मात्रा में रिफाइन किए गए पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स को निर्यात करती है। अगर पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स के निर्यात का आंकड़ा देखें तो भारत के कुल निर्यात में इसकी हिस्सेदारी 21.2 प्रतिशत तक पहुंच गई है। भारत द्वारा निर्यात किए जाने वाले वस्तुओं में दूसरे नंबर पर रिफाइन किए गए पेट्रोलियम उत्पाद हैं। पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स के निर्यात के टॉप 10 देशों में भारत शामिल है। कॉर्मस डिपार्टमेंट द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल से अगस्त के दौरान गैर पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स के एक्सपोर्ट में 8.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई तो पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स प्रोडक्ट्स के निर्यात में 22.8 प्रतिशत वृद्धि है।

आरओजी और टीयूएफ लैपटॉप्स पर 38% तक की रोमांचक छूट

एसुस गेमिंग डेज सेल की घोषणा की

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

एसुस इंडिया, रिपब्लिक ऑफ गेमर्स (आरओजी) ने एसुस गेमिंग डेज सेल की घोषणा की। इस सेल के अंतर्गत एसुस ई-शॉप, एसुस एक्सक्लूसिव स्टोर्स और आरओजी स्टोर्स पर पूरे गेमिंग पीसी पोर्टफोलियो पर रोमांचक ऑफर्स की पेशकश की जा रही है। 19 दिसंबर से शुरू होकर 23 दिसंबर, 2022 तक चलने वाली इस सेल के तहत ग्राहक सबसे अधिक मॉग दाले और नवीनतम आरओजी लैपटॉप्स पर छूट की एक श्रृंखला का लाभ उठा सकते हैं। यह अंतर्गत तमाम गेमिंग लैपटॉप्स पर बिना किसी लागत के ईएमआई के साथ डिस्काउंटेड वॉरंटी एक्सटेंशन को शामिल करता है। वर्ष के अंत में मनाए जाने वाले जश्न को और अधिक खुशनुमा बनाने के उद्देश्य से पहले 100 ग्राहक, जो asuspromo.in पर रजिस्टर करते हैं. वे GS13IE (2021) और G7I3IE (2021) मॉडल की खरीद पर 4500 रुपए तक का आरओजी गेमिंग माउस मुफ्त में प्राप्त कर सकते हैं। एसुस आरओजी की श्रृंखला में गेमिंग लैपटॉप्स शामिल हैं, जिन्हें गेमिंग एक्सपीरियंस बढ़ाने, प्रोडक्टिविटी बढ़ाने और ग्राहकों को उनकी जरूरतों के अनुरूप व्यक्तिगत पसंद की पेशकश करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। अत्याधुनिक तकनीक के साथ बनाई गईं गेमिंग मशीनें न सिर्फ गेम खेलने वालों को बहुमुखी प्रतिभा प्रदान करती है, बल्कि गेमप्ले को अगले स्तर तक ले जाती शक्तिशाली आरजोजी फ्लो सीरीज पर 33% की छूट का लाभ उठा सकते हैं।

टाटा मोटर्स जनवरी 2023 से वाणिज्यिक वाहनों की कीमतें बढ़ाएगा

मुंबई। एजेंसी

टाटा मोटर्स, वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली भारत की सबसे बड़ी कंपनी, अपने वाणिज्यिक वाहनों की कीमतों में जनवरी 2023 से 2 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करेगी। हालांकि, कीमतों में यह वृद्धि व?यक्तिगत मॉडल और वैरिएंट के अनुसार अलग-अलग होगी, लेकिन यह वाणिज्यिक वाहनों की समूची रेंज पर लागू होगी। कंपनी बढ़ी हुई लागत का उल?लेखनीय हिस?सा खुद से वहन कर रही है लेकिन संपूर्ण इनपुट लागत में हुई तेज बढ़ोतरी ने कंपनी को कुछ हिस्सा ग्राहकों पर भी डालने के लिए मजबूर किया है। इसी के मद्देनजर वाहनों की कीमतें बढ़ाने का फैसला लिया गया है।

जून तक राज्यों का 17,176 करोड़ रुपये का जीएसटी मुआवजा बाकी था : सरकार

नयी दिल्ली। एजेंसी

सरकार ने मंगलवार को संसद में कहा कि जून 2022 तक राज्यों का 17,176 करोड़ रुपये का जीएसटी (माल एवं सेवा कर) मुआवजा लंबित था।

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि केंद्र पांच साल के लिए राज्यों को जीएसटी मुआवजा दे रहा है। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के दौरान जब कोई जीएसटी नहीं एकत्र किया गया था, केंद्र सरकार ने 2020-21 और 2021-22 के दौरान क्रमशः 1.1 लाख करोड़ रुपये और 1.59 लाख करोड़ रुपये का ऋण लेकर राज्यों को मुआवजा दिया था।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि केंद्र ने कुछ हद तक जून तक के सारे बकाए का भुगतान कर दिया है और लगभग 17,000 करोड़ रुपये लंबित हैं। उन्होंने कहा कि जून 2022 तक तमिलनाडु का बकाया केवल 1200 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि अगर किसी राज्य से उपयोगिता प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं हुआ तो संबंधित राशि को लंबित नहीं माना जा सकता है।

सीतारमण ने एक अन्य प्रश्न के उत्तर में कहा कि 2022-23 में शिक्षा क्षेत्र को एक लाख करोड़ रुपये से अधिक कोष प्राप्त हुआ है, और इस क्षेत्र को उच्च प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा, "... वित्त आयोग ने स्थानीय निकायों को सीधे धन देने को कहा है। हमने वह दिया है। मुख्यमंत्री के रूप में अपने अनुभव को देखते हुए प्रधानमंत्री 14वें वित्त आयोग की रिपोर्ट पर आसानी से सहमत हुए। उसके तहत स्थानीय निकायों को सीधे पैसा दिया जा रहा है।" उन्होंने कहा कि सभी उपकर एक विशेष मकसद के लिए एकत्र किए जा रहे हैं। वह विशेष मकसद स्पष्ट रूप से राज्यों के जरिए ही पूरा किया जा रहा है। निस्संदेह उपकर केंद्र द्वारा एकत्र किए जा रहे हैं लेकिन केंद्र उन्हें अपने पास नहीं रखता है और इसे केवल राज्यों के माध्यम से ही खर्च किया जाता है।

जनवरी 2023 से बदल रहे हैं आपकी जेब से जुड़े नियम

क्रेडिट कार्ड से लेकर सिलेंडर कीमत तक पर पड़ेगा असर

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

1 जनवरी को नए साल 2023 की शुरुआत के साथ जेब से जुड़े कुछ नियम भी बदल जाएंगे। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने लॉकर को लेकर कुछ नए नियम बनाए हैं, जो अगले महीने लागू होंगे। इसी तरह तेल कंपनियों के लिए भी थ्ड्ड सिलेंडर की कीमत की समीक्षा करने का समय आ गया है। स्टेट बैंक के ग्राहकों के लिए जरूरी खबर है। एँघ ने बैंकिंग से जुड़े कुछ नियमों में बदलाव किया है, जो 1 जनवरी 2023 से लागू होगा। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया काड्र्स एंड पेमेंट सर्विसेज ने नोटिफिकेशन जारी किया है, जिसमें बताया गया है कि वाउचर और रिवार्ड प्वाइंट को लेकर जनवरी 2023 से बदलाव किए गए हैं।

कंपनी की साइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक 6 जनवरी 2023 से SimplyCLICK कार्ड रखने वालों को जो Cleartrip voucher मिले हैं, उन्हें सिंगल ट्रांजैक्शन में रीडीम कर दिया जाएगा। उसे किसी ऑफर या वाउचर से नहीं जोड़ा जाएगा। इससे पहले नवंबर में कंपनी ने मर्चेंट ऍंध ट्रांजैक्शन की प्रोसेसिंग फीस बढ़ाकर 199 रुपये कर दी थी. यह पहले 99 रुपये थी। उएऊ में रजिस्टर कंपिनयों के लिए भी 1 जनवरी 2023 से नियम बदलने जा रहे हैं। यह 7 फीसद से 8 फीसद हो सकता है। इसमें इनवायस जारी करना।

फिच ने भारत की सॉवरेन रेटिंग को स्थिर परिदृश्य के साथ 'बीबीबी-' पर बरकरार रखा

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

रेटिंग एजेंसी फिच ने भारत की सॉवरेन रेटिंग को स्थिर परिदृश्य के साथ 'बीबीबी-' पर बरकरार रखते हुए मंगलवार को कहा कि भारत के मजबूत वृद्धि परिदृश्य तथा जुझारू बाह्य वित्त को देखते हुए यह रेटिंग दी गई है। फिच रेटिंग्स ने एक बयान में कहा कि भारत का मध्यम अवधि का वृद्धि परिदृश्य रेटिंग को समर्थन देने वाला एक प्रमुख कारक है। उसने कहा कि कंपनियों और बैंकों के बही-खातों में सुधार से आगामी वर्षों में निवेश में तेजी आएगी। महामारी से पहले ये दबाव में थे। हालांकि फिच ने कहा कि श्रमबल की भागीदारी से संबंधित मुद्दे, ग्रामीण क्षेत्र में पुनरुद्धार की धीमी रफ्तार और असमतल सुधार क्रियान्वयन रिकॉर्ड जैसे कारकों से जोखिम बना रहेगा। रेटिंग एजेंसी ने कहा, "फिच रेटिंग्स ने भारत की रेटिंग को स्थिर परिदृश्य के साथ बीबीबी- पर बरकरार रखा है। रेटिंग एजेंसी का अनुमान है कि मार्च, 2023 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर सात प्रतिशत रहेगी। हालांकि फिच का मानना है कि वर्ष 2023 में वैश्विक परिदृश्य के धुंधला रहने से निर्यात में कमी आने, अनिश्चितता बढ़ने और ब्याज दरें बढ़ने से वित्त वर्ष 2023-24 में वृद्धि दर धीमी होकर 6.2 प्रतिशत रह सकती है।

विदेश से आने वाले यात्रियों की होगी रैंडम कोविड जांच, हेल्थ मिनिस्ट्री ने लिया फैसला

अंदर और बाहर अब मास्क जरूरी, बढ़ेगी टेस्टिंग, बूस्टर डोज अनिवार्य- कोरोना पर एडवाइजरी

नई दिल्ली। एजेंसी

नीति आयोग के सदस्य डॉ वीके पॉल ने कहा है कि अगर आप भीड़भाड़ वाली जगह, घर के अंदर या बाहर हैं तो मास्क का इस्तेमाल करें। यह कॉमरेडिटी वाले या ज्यादा उम्र के लोगों के लिए और भी महत्वपूर्ण है। चीन-अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों में बढ़ते जानलेवा कोरोना वायरस को लेकर सरकार सतर्क हो गई है। कोरोना का प्रसार रोकने के लिए सरकार ने नई एडवाइजरी जारी की है। कोरोना पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की बैठक के बाद नीति आयोग के सदस्य डॉ वीके पॉल ने कहा है कि घबराने की कोई बात नहीं है। भीड़भाड़ वाले इलाकों में अंदर और बाहर मास्क जरूर पहनें। साथ ही जिन लोगों ने अभी तक बूस्टर डोज नहीं लगवाई है, वह जल्द से जल्द इसे लगवाएं, ताकि कोरोना को फैलने से रोका जा सके। चीन में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच केंद्र सरकार कोरोना पर नियंत्रण को लेकर सजग हो गई है। विदेश में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच सरकार ने कोरोना संक्रमण के संभावित मामलों पर रोक लगाने के लिए विदेश से आने वाले यात्रियों की एयरपोर्ट पर रैंडम कोविड जांच करने का फैसला किया है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की तरफ से यह फैसला लिया गया। इससे पहले सरकार ने राज्यों को पत्र लिख कोरोना से सभी मामलों की जहां तक संभव हो सके जीनोम सिक्वेंसिंग कराने को कहा था। वहीं, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने आज कोरोना महामारी को लेकर समीक्षा बैठक भी की

अब हर हफ्ते इस मामले पर मीटिंग करेगी सरकार

सरकार ने कहा कि अब निगरानी बढ़ाई जाएगी. हालांकि उन्होंने बताया कि क्रिसमस,नए साल और त्योहारों पर कोई रोक नहीं लगेगी. सरकार अब हर हफ्ते इस मामले पर मीटिंग करेगी और स्थिति की समीक्षा कर, उसी हिसाब से एडवाइजरी जारी करेगी। भारत में BF.7 वैरिएंट चिन्हित किया गया- सरकार सरकार ने बताया किसितंबर के जीनोम सर्विलांस में तीन बार भारत में BF.7 वैरिएंट पाया गया, यानी हम इसे चिन्हित कर चुके हैं, जिससे चीन में लोग संक्रमित हो रहे हैं। सरकार ने कहा कि अब राज्यों को मास्क लाने के निर्देश लाकर अनुपालन कराना होगा।

मीटिंग की बड़ी बातें

- निगरानी बढ़ाई जाएगी
- टेस्टिंग बढ़ाई जाएगी
- टीकाकरण का दायरा बढ़ाया जाएगा
- नए साल और त्यौहार पर कोई रोक नहीं
- हर हफ्ते मीटिंग होगी
- विमानन के लिए कोई सलाह नहीं

लुपिन डायग्नोस्टिक्स ने किया सेंट्रल इंडिया में अपनी उपस्थिति का विस्तार

इंदौर में रीजनल रेफरेंस लैब का शुभारंभ

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

वैश्विक फार्मा प्रमुख लुपिन लिमिटेड ने सेंट्रल इंडिया में अपने विस्तार के एक हिस्से के रूप में मध्य प्रदेश के इंदौर में अपनी रीजनल रेफरेंस लैब के शुभारंभ की घोषणा की है। लुपिन डायग्नोस्टिक्स वर्तमान में भारत में 325ट्र ल्यूपीमित्र लुपिन के फ्रैंचाइज़ी कलेक्शन सेंटर्स और 23 लैब्स का संचालन करती है। इंदौर में यह विस्तार सस्ती कीमत पर उच्च गुणवत्ता, विश्वसनीयता और एडवांस टेस्टिंग सेंटर्स व होम कलेक्शन सुविधाओं तक पहुंच में सुधार के लिए, लुपिन डायग्नोस्टिक्स की प्रतिबद्धता के अनुरूप किया गया है।

रूटीन और विशेष परीक्षणों के अलावा, लुपिन डायग्नोस्टिक्स मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स, साइटोजेनेटिक्स, फ्लो साइटोमेट्री, साइटोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, सेरोलॉजी, हेमेटोलॉजी, इम्यूनोलॉजी, रूटीन बायोकैमिस्ट्री के साथ और भी बहुत कुछ देता है। ये प्रयोगशालाएं योग्य क्लीनिकल एक्सपर्ट्स और ऑटोमेटेड सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं से लैस हैं ताकि मरीज अपने स्वास्थ्य के बारे में जानकारी सहित उचित निर्णय ले सकें।

इस लॉन्च पर बात करते हुए लुपिन डायग्नोस्टिक्स के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर रवींद्र कुमार ने कहा, 'इंदौर में हमारी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ रीजनल रेफरेंस लैब का लॉन्च सेंट्रल इंडिया में हमारे विस्तार का प्रतीक है। इस क्षेत्र में इस लैब और कलेक्शन सेंटर्स के साथ, हम बेहतर पैथोलॉजी टेस्ट, क्यूरेटेड हेल्थ चेक पैकेज और मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स एडवांस टेस्टिंग सुविधाएं प्रदान करने की जिम्मेदारी लेते हैं। सटीक डायग्नोसिस, सही उपचार की पहचान करने की चाभी है। हमारा मिशन डॉक्टरों को उचित मूल्य पर एडवांस और उच्च गुणवत्ता वाले डायग्नोस्टिक्स प्रदान करके सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाना है। हमारी व्यक्तिगत और इंटरैक्टिव स्मार्ट रिपोर्ट के माध्यम से, डॉक्टर और मरीज, हेल्थ पैरामीटर्स में ऐतिहासिक पैटर्न का विश्लेषण कर सकते हैं और सबूतों के आधार पर उपचार के निर्णयों का मार्गदर्शन ले सकते हैं।'

लुपिन डायग्नोस्टिक्स डॉक्टरों, रोगियों और उपभोक्ताओं को डायग्नोस्टिक सेवाओं की एक विस्तृत रेंज प्रदान करता है। इसकी कुछ उपभोक्ता-केंद्रित विशेषताओं में लाइव होम कलेक्शन बुकिंग और ट्रैकिंग, जीपीएस-युक्त टेम्प्रेचर-कंट्रोल्ड सैंपल मूवमेंट, प्रत्येक लैब की फ्री होम कलेक्शन, एनएबीएल मान्यता, स्मार्ट रिपोर्ट और ट्रेंड रिपोर्ट विश्लेषण जैसी विशेषताएं शामिल हैं। कंपनी ने नवी मुंबई में विश्व स्तरीय उपकरण, ट्रेंड टेक्नोलॉजिस्ट्स और बहुत कठोर क्वालिटी कंट्रोल प्रोटोकॉल्स के द्वारा सहायता प्राप्त अनुभवी डॉक्टर्स के साथ, अत्याधुनिक 45,000 स्क्वायर फ़ीट का नेशनल रेफरेंस लैब स्थापित करके, अपने सफर की शुरुआत की थी।

आपूर्ति झटकों के बाद अत्यधिक खर्च की वजह से बनी रही महंगाई : आरबीआई लेख

मुंबई। एजेंसी

शुरुआती मुद्रास्फीतिकारी दबाव आपूर्ति से जुड़े झटकों की वजह से था, लेकिन जैसे-जैसे उनका प्रभाव कम हुआ, लोगों ने 'जबर्दस्त तरीके से खर्च' (रिवेंज रिबाउंड) करना शुरू कर दिया जिससे महंगाई अब लगातार बनी हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक के एक लेख में यह टिप्पणी की गई है। इस लेख में फरवरी, 2022 के बाद से देश में मुद्रास्फीति के रुख का आकलन किया गया है।

लेख में कहा गया है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते आपूर्ति पक्ष के झटकों ने खुदरा मुद्रास्फीति को भारतीय रिजर्व बैंक के छह प्रतिशत के संतोषजनक स्तर से ऊपर कर दिया था। हालांकि, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति नवंबर में घटकर 5.9 प्रतिशत पर आ गई है। मुख्य रूप से सब्जियां सस्ती होने से मुद्रास्फीति नीचे आई है। रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर माइकल देवव्रत पात्रा के नेतृत्व वाली एक टीम द्वारा लिखे गए इस लेख में कहा गया है कि शुरुआती मुद्रास्फीतिकारी दबाव आपूर्ति पक्ष के झटकों की वजह से था। लेकिन इनका प्रभाव कम होने के बाद जोर-शोर से खरीदारी की जाने से मुद्रास्फीति लगातार टिकी हुई है।

'रिवेंज रिबाउंड' पर आधारित खरीदारी का मतलब है कि महामारी के दौर में लगी बंदिशें हटने के बाद लोगों ने एक तरह का प्रतिशोध लेने के लिए खूब खरीदारी की है। यह लेख रिजर्व बैंक के मंगलवार को जारी बुलेटिन का हिस्सा है। लेख में भारत में फरवरी, 2022 के बाद से मुद्रास्फीति के रुख का विश्लेषण करने का प्रयास किया गया है। इसमें कहा गया है कि जनवरी, 2022 तक महामारी की दो विनाशकारी लहरों का दौर बीतने और प्रतिकूल आधार प्रभाव के साथ फरवरी, 2022 में आरबीआई ने 2022-23 के दौरान औसत मुद्रास्फीति 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। यह अनुमान कोरोना वायरस संक्रमण के कम होने, आपूर्ति श्रृंखला के दबाव में कमी, सामान्य मानसून और वैश्विक जिंस कीमतों में एक सीमित दायरे में बढ़त पर आधारित था।

News यू केन USE

बैंकों ने पिछले छह साल में 11.17 लाख करोड़ रुपये का कर्ज बट्टे खाते में डाला

नयी दिल्ली। एजेंसी

बैंकों ने पिछले वित्त वर्ष 2021-22 तक छह साल की अवधि में अपने बही-खाते से 11.17 लाख करोड़ रुपये का कर्ज बट्टे खाते में डाला है। यह जानकारी संसद को मंगलवार को दी गई। वित्त राज्यमंत्री भागवत कराड ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए), जिनमें चार साल पूरे होने पर पूर्ण प्रावधान वाले ऋण भी शामिल हैं, को बट्टे खाते में डालकर बैंकों के बही-खाते से हटाया गया है। उन्होंने कहा कि बैंक अपनी बही-खाते को दुरुस्त करने, कर लाभ प्राप्त करने और पूंजी का महत्तम इस्तेमाल करने के लिए अपने नियमित अभ्यास के रूप में एनपीए को बट्टे खाते में डाल देते हैं। उन्होंने कहा कि बैंकों द्वारा रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों और उनके बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीति के अनुसार डूबे कर्ज को बट्टे खाते में डालने का काम किया जाता है। उन्होंने कहा, "रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) और अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) ने पिछले छह वित्त वर्षों के दौरान क्रमशः 8,16,421 करोड़ रुपये और 11,17,883 करोड़ रुपये की कुल राशि बट्टे खाते में डाली।"

भारतीय गुणवत्ता परिषद के चेयरमैन जक्षय शाह ओएनडीसी के बोर्ड में शामिल

नयी दिल्ली। एजेंसी

भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) के चेयरमैन जक्षय शाह को ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) के निदेशक मंडल में शामिल किया गया है। ओएनडीसी वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की एक पहल है। इस पहल का मकसद छोटे खुदरा विक्रेताओं की मदद करना है। इसके जरिये छोटे खुदरा विक्रेता ई-कॉमर्स प्रणाली के जरिये अपनी सेवाएं और उत्पाद ग्राहकों को बेच सकते हैं। क्यूसीआई ने बयान में कहा, "शाह को ओएनडीसी के निदेशक मंडल में (प्रवर्तक) निदेशक के रूप में क्यूसीआई का प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त किया गया है।" शाह अहमदाबाद स्थित रियल एस्टेट कंपनी सैवी इन्फ्रास्ट्रक्चर के प्रबंध निदेशक भी हैं।

भारत में डीएपी उर्वरक की आपूर्ति संतोषजनक : केंद्र

नयी दिल्ली। एजेंसी

रसायन एवं उर्वरक राज्यमंत्री भगवंत खुबा ने राज्यसभा में मंगलवार को बताया कि देश में डीएपी उर्वरक की आपूर्ति संतोषजनक बनी हुई है। खुबा ने उच्च सदन में एक प्रश्न के लिखित जवाब में कहा कि फसल वर्ष 2022-23 (जुलाई-जून) के चालू रबी (सर्दियों) सत्र के लिए 55.38 लाख टन की आवश्यकता के मुकाबले 14 दिसंबर तक इस उर्वरक की उपलब्धता 47.88 लाख टन थी। उन्होंने कहा कि चालू रबी सत्र में एक अक्टूबर से 14 दिसंबर के बीच प्रत्यक्ष नकद अंतरण के रास्ते डीएपी की संचयी बिक्री की मात्रा 36.67 लाख टन थी। रबी फसलों की बुवाई अक्टूबर में शुरू होती है और मार्च/अप्रैल से कटाई शुरू होती है।

भारत ने नौ दिसंबर तक 5.62 लाख टन चीनी का निर्यात किया: एआईएसटीए

नयी दिल्ली। एजेसी

भारत ने अक्टूबर में शुरू हुए चालू विपणन वर्ष 2022-23 में अब तक 5.62 लाख टन चीनी का निर्यात किया है। उद्योग निकाय एआईएसटीए ने यह जानकारी दी है। नवंबर में, सरकार ने चालू विपणन वर्ष 2022-23 (अक्टूबर-सितंबर) में 60 लाख टन चीनी के निर्यात की अनुमति दी थी। अखिल भारतीय चीनी व्यापार संघ (एआईएसटीए) के अनुसार, चीनी मिलों से 12.19 लाख टन चीनी निर्यात की खेप तय की गई थी, जिसमें से चालू विपणन वर्ष में नौ दिसंबर तक 5.62 लाख टन चीनी का भौतिक रूप से निर्यात किया जा चुका है। उक्त अवधि में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को सर्वाधिक चीनी का निर्यात किया गया है जिसके बाद बांग्लादेश, इंडोनेशिया, सोमालिया और अन्य का स्थान है। इसमें कहा गया है कि करीब 5.22 लाख टन चीनी निर्यात प्रक्रिया के अधीन है या लदान के लिए तैयार है। विपणन वर्ष 2021-22 में भारत ने रिकॉर्ड 111 लाख टन चीनी का निर्यात किया था।

चीन हुआ बीमार, कीमत चुका रहीं भारतीय कंपनियां

नई दिल्ली। एजेंसी

जीरो कोविड पॉलिसी वापस लेते ही चीन में कोरोना महामारी का जबरदस्त प्रकोप देखने को मिला है। चीन में कोविड की इस नई लहर का असर भारत की फार्मा इंडस्ट्री पर भी देखने को मिला है। भारत की फार्मा इंडस्ट्री सक्रिय दवा सामग्री और थोक दवाओं के लिए चीन पर निर्भर है। चीन में कोरोना से इन उत्पादों की कीमतों में भारी उछाल आया है। पिछले कुछ दिनों से प्रमुख एपीआई 12 से 25 फीसदी महंगी हो गई हैं। उद्योगपतियों को डर है कि सप्लाई चेन बाधित हो सकती है। इससे मार्जिन कम होगा और दवाओं की कीमतें बढ़ जाएंगी। इंडस्ट्री के अधिकारियों के अनुसार, दवाओं की कमी भी हो सकती है।

चीन कम कर रहा है निर्यात

अधिकारी ने कहा कि चीन से आने वाली एपीआई की कीमतें पिछले दो हफ्तों में 12 से 25 फीसदी बढ़ गई हैं। कोरोना महामारी की ताजा लहर के चलते चीन में एपीआई की घरेलू मांग और खपत काफी बढ़ गई है। इसके चलते उसने दूसरे देशों में एपीआई का निर्यात कम कर दिया है। चीनी फार्मा इंडस्ट्री पर नजर रखने वाले मेहुल शाह ने बताया

कि एजिथ्रोमाइसिन, पेरासिटामोल, ओरल और इंजेक्टेबल एंटीबायोटिक्स के एपीआई की कीमतों में उछाल देखने को मिला है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, चीन में कोविड की स्थिति विस्फोटक होती जा रही है। अस्पतालों में जगह कम पड़ रही है और दवाओं की कमी है। शाह के मुताबिक चीनी नववर्ष के कारण जनवरी में वैसे भी आपूर्ति अनियमित हो जाएगी।

बाजार सूत्रों ने ईटी को बताया कि पिछले दो हफ्तों में पेरासिटामोल के एपीआई की कीमत 450 रुपये से बढ़कर 550 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। एक पखवाड़े में 15% की वृद्धि के साथ एजिथ्रोमाइसिन की कीमत 8,700 रुपये से बढ़कर 10,000 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। एंटीबायोटिक एमोक्सिसिलिन के लिए एपीआई 2,850 रुपये से 13 फीसदी बढ़कर 3,200 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया है। एपीआई पोटेशियम क्लैवुलनेट की कीमत 17,000 रुपये से बढ़कर 19,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है।

एक एक्सपर्ट ने कहा, 'पहले जीरो कोविड पॉलिसी की चलते चीन में उत्पादन गिरा था और अब कोविड की नई लहर के चलते इसमें कमी आ रही है। उन्होंने कहा, वर्कर्स काम पर नहीं जा रहे हैं और कुछ भी ऐसा नहीं है जो 100% स्वचालित हो। आपूर्ति करना मुश्किल है। अगर चीन में यही स्थिति बनी रही तो अगले कुछ महीने भारतीय फार्मा उद्योग के लिए चुनौतीपूर्ण रहने वाले हैं।'

चीन पर है भारी निर्भरता

भारत में जैविक रसायनों का आयात, जिसमें एपीआई शामिल है, वित्त वर्ष 2022 में 39% बढ़कर 12.5 अरब डॉलर हो गया। यह दवाओं को बनाने में काम आने वाले कच्चे माल के लिए हमारी चीन पर निर्भरता को दर्शाता है। ल्यूपिन, सन फार्मास्युटिकल्स, ग्लेनमार्क, मैनकाइंड, डॉ. रेड्डीज, टोरेंट जैसी घरेलू कंपनियां चीन से आयात पर निर्भर हैं।

एशिया-प्रशांत में बेंगलुरु लचीले कार्यालय स्थलों की आपूर्ति में सबसे आगे: रिपोर्ट

नयी दिल्ली।आईपीटी नेटवर्क

बेंगलुरु में लचीले कार्यालय स्थलों की आपूर्ति 1.06 करोड़ वर्ग फुट है जो एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे अधिक है। संपत्ति सलाहकार फर्म सीबीआरई की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, एशिया-प्रशांत क्षेत्र के शहरों की सूची में बेंगलुरु प्रीमियम लचीले कार्यालय के मामले में सबसे आगे है। बेंगलुरु ने सर्वाधिक लचीले कार्यालों के मामले में 11 प्रमुख शहरों को पीछे छोड़ा है। इस साल सितंबर तक बेंगलुरु में 1.06 वर्ग फुट का लचीला कार्यालय स्थल था जो शंघाई, बीजिंग, सोल, टोक्यो और सिंगापुर जैसे शहरों से अधिक है। दिल्ली-एनसीआर उच्च स्तर की संपत्तियों में 66 लाख वर्ग फुट लचीले क्षेत्र के साथ 12 शहरों की सूची में पांचवें स्थान पर रहा, जबकि हैदराबाद 57 लाख वर्ग फुट के कार्यालय स्थल के साथ सातवें स्थान पर रहा।

सीबीआरई के भारत एवं दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी अंशुमन मैगजीन ने कहा, "भारत एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अव्वल दर्जे के लचीले कार्यालय स्थल का नेतृत्व कर रहा है। वहीं रियल एस्टेट कंपनियां बड़े पैमाने पर हाइब्रिड कार्य-पद्धतियों के साथ तालमेल बिठाने के लिए अपने पोर्टफोलियो और कार्यस्थल रणनीतियों को नए सिरे से व्यवस्थित कर रही हैं।" उन्होंने कहा कि यह लचीले स्थल परिचालन के नेतृत्व में भारत में कार्यालय क्षेत्र में तेजी से वापसी के बीच एक स्वस्थ कार्यालय क्षेत्र की वृद्धि का संकेत देता है। लचीले कार्यालय स्थल श्रेणी के तहत एक करोड़ वर्ग फुट के साथ शंघाई और 76 लाख वर्ग फुट क्षेत्र के साथ बीजिंग क्रमशः दूसरे तथा तीसरे स्थान पर हैं।

सीबीआरई की रिपोर्ट के अनुसार, भारत और सिंगापुर ने अन्य एशियाई देशों की तुलना में कुल कार्यालय स्थल में लचीले कार्यालय स्थान की उच्चतम हिस्सेदारी हासिल की है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, प्रौद्योगिकी कंपनियां 36 प्रतिशत और व्यावसायिक सेवाएं से जुड़ी कंपनियां 28 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ लचीले कार्यालय स्थल की प्रमुख उपयोगकर्ता बनी हुई हैं।

विदेश से दो पालतू जानवरों को विमान में लाने के लिए नहीं लेनी होगी मंजूरी

नयी दिल्ली। एजेंसी

सरकार ने विदेश में रहने वाले लोगों को अपना ठिकाना भारत में स्थानांतरित करते समय दो पालतू जानवरों को विमान में लेकर आने की अनुमति दे दी है और इसके लिए उन्हें विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) से मंजूरी भी नहीं लेनी होगी।

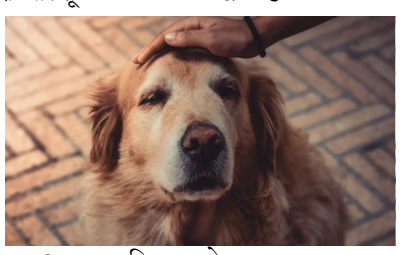

वाणिज्य मंत्रालय के तहत गठित डीजीएफटी ने पालतू जानवरों को विदेश से लाने के बारे में यह स्पष्टीकरण दिया है। यह नोटिस सभी अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस, विदेश में मौजूद भारतीय दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों के लिए जारी किया गया है।

डीजीएफटी ने इस नोटिस में कहा है कि अधिकतम दो पालतू जानवरों- कुत्ते या बिल्ली को विदेश से भारत बसने के लिए आ रहे लोग अपने साथ विमान में सामान के तौर पर लेकर आ सकते हैं। यह छूट केवल उन्हीं लोगों को होगी जो विदेश में लगातार दो साल रह चुके हों। हालांकि, अगर दो से अधिक पालतू पशुओं को कोई व्यक्ति अपने साथ भारत लाना चाहता है तो उसे डीजीएफटी से इसकी पूर्व-अनुमति लेनी होगी। इसके अलावा विदेश में दो साल तक रहने की शर्त पूरी न करने वाले लोगों को दो पालतू पशु लाने के लिए भी डीजीएफटी से मंजूरी लेनी होगी। महानिदेशालय ने कहा कि पालतू पशुओं का आयात सिर्फ हवाईअड्डों एवं समुद्री बंदरगाहों के जरिये ही किया जा सकता है। इसके लिए दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद, बेंगलुरु एवं कोलकाता को चिह्नित किया गया है।

'वायरल हीपेटाइटिस ए' के संक्रमण और उसकी रोकथाम को समझना जरूरी -डॉ. गौरव गुप्ता

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

दुनिया ने हाल ही में एक बड़ी महामारी देखी है और हो सकता है कि सबसे बुरा दौर खत्म हुआ, लेकिन पिछले दो वर्षों का प्रभाव अब भी सभी देशों और वहां के नागरिकों पर देखा जा रहा है। हालांकि, दुनिया के खुलने के साथ लोग एक बार फिर लोग घरों से बाहर निकलने लगे हैं। यह अर्थव्यवस्थाओं के लिये अच्छी खबर है, लेकिन कई कारणों से हमारा बैक्टीरिया और वायरस के साथ संपर्क बढ़ रहा है। इसका मुख्य कारण है हमारा मास्क के बिना बाहर जाना और हाथों की स्वच्छता पर ध्यान न देना। पिछले कुछ महीनों में खसरा, डेंगू और वायरल हीपेटाइटिस ए (एचएवी) जैसे संक्रमणों और बीमारियों में काफी वृद्धि हुई है।

बच्चों में एचएवी का संक्रमण आमतौर पर शांत या सबक्लिनिकल होता है। सिम्प्टोमेटिक हीपेटाइटिस छह साल से कम उम्र के लगभग 30ज्ञ संक्रमित बच्चों को होता है, लेकिन ज्यादातर यह अपनेआप में सीमित बीमारी है, जिसके लक्षण केवल 2 हफ्तों तक रह सकते हैं। इसके विपरीत, एचएवी संक्रमण वाले ज्यादा उम्र के बच्चे या वयस्क आमतौर पर कई हफ्तों तक लक्षण दिखाते हैं, लगभग 70% को पीलिया और करीब 80% को हीपेटोमेगाली (इसमें लिवर बड़ा हो जाता है) होती है। एचएवी संक्रमण में आमतौर पर तेज और अपनेआप में सीमित बीमारी होती है और बहुत कम मरीजों को एक्यूट हीपेटिक फेलियर होता है। एचएवी के 0.1% से कम मरीजों को एक्यूट लिवर फेलियर (एएलएफ) होता है, जो कि जान के लिये खतरनाक है। एएलएफ होने पर लिवर ट्रांसप्लांट से ही जान बचाई जा सकती है।

नेशनल वायरल हीपेटाइटिस प्रोग्राम (एनवीएचपी) के रिकॉर्ड्स के मुताबिक इंदौर में इस साल हर दसवां हीपेटाइटिस संक्रमण 2 से 16 साल के बच्चों को हुआ। पिछले छह महीनों में इंदौर का डॉ. गुप्ताज क्लिनिक 1.3 से 9 साल के बच्चों में सब एक्यूट लिवर फेलियर के कम से कम चार मामले देख चुका है, जिन्होंने एक्यूट वायरल हीपेटाइटिस ए का रूप लिया। एचएवी का ऐसा होना असामान्य है, क्योंकि एचएवी या तो अपनेआप ठीक हो जाता है या तेजी से बढ़कर एक्यूट लिवर फेलियर का रूप लेता है। एचएवी संक्रमण का पता चलने पर इन बच्चों को उनके ओपीडी में लाया गया, उन्हें 10 हफ्तों से ज्यादा वक्त से पीलिया था और उनमें शुरूआती जाँच के 3 महीनों बाद लिवर फेलियर के लक्षण विकसित होने लगे। इन बच्चों को जान बचाने वाली लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी की जरूरत होगी, ताकि वे अच्छी गुणवत्ता का जीवन जी सकें।

ज्यादातर मामलों में एचएवी (जल्दी पता चलने पर) अपने आप में सीमित होता है, जिसके लिये किसी खास उपचार या अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत नहीं पड़ती है। एचएवी से ठीक होने का सबसे अच्छा तरीका है आराम करना, हाइड्रेशन और न्यूट्रीशन अच्छा रखना, जिससे शरीर को वायरस से उभरने में मदद मिलेगी। इसे ध्यान में रखते हुए, एचएवी की रोकथाम बहुत महत्वपूर्ण है। चूंकि एचएवी का संवहन मुख्य रूप से गुदा-मुख मार्ग से होता है, इसलिये घरों और शौचालयों को हमेशा साफ रखना चाहिये। यह वायरस संक्रमित लोगों के मल में होता है और दो हफ्तों तक मल में इसका सबसे ज्यादा उत्सर्जन होता है, पीलिया शुरू होने से पहले और बीमारी के शुरूआती चरण में। यह वायरस भोजन और पानी को दूषित कर सकता है या दूषित चीजों के जरिये फैल सकता है। हालांकि शारीरिक संपर्क के कारण एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में इसका फैलना सबसे आम है और द्वितीयक मामले अक्सर घर या स्कूल में संक्रमितों के कारण होते हैं।

भारत के यूपीआई और आधार के प्रशंसक गूगल के बॉस सुंदर पिचाई

नई दिल्ली। एजेंसी

अल्फाबेट और गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने भारत के यूपीआई , आधार और इंडिया स्टैक की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि भारत ने जिस तरह से यूपीआई, आधार और इंडिया स्टैक को सफल बनाया है, वह एक शानदार उदाहरण है। सुंदर पिचाई ने कहा, 'आप एक ओपन कनेक्टेड स्टैक की वैल्यू देखेंगे, जो काम करता है और यही इंटरनेट है... भारत को बहुत लाभ होगा। मैं सोचता हूं कि भारत इस डिजिटल इकनॉमी का एक सफल निर्यातक हो सकता है।' पिचाई ने सोमवार को कहा कि वे अक्सर दूसरे देशों को भारत के यूपीआई का उदाहरण देते हैं और उन्हें इसे फॉलो करने के लिए कहते हैं। पिचाई ने कहा, 'गूगल ने यूपीआई स्टैक के आधार पर भारत में गूगल पे का निर्माण किया और अब हम इसे दुनियाभर के दूसरे देशों में ले जा रहे हैं।'

एंड्रॉइड ने डिजिटल क्रांति में की मदद

पिचाई ने कहा कि एंड्रॉइड जैसे एक मुफ्त मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम ने भारत जैसे देशों में डिजिटल क्रांति को शक्ति प्रदान की है। मदुरै में जन्मे 50 वर्षीय पिचाई सात साल से इंटरनेट की दिग्गज कंपनी के सीईओ हैं। उन्होंने अपनी भारत यात्रा के दौरान एक विशेष इंटरव्यू में द इकनॉमिक टाइम्स से ये बातें कहीं। टेक और टेलीकॉम रेगुलेशंस पर भारत के मौजूदा बदलावों के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि यहां एक संतुलन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, '...मैं बहुत सारे प्रस्तावों (ड्राफ्ट रेगुलेशंस) में यह देखता हूं और हम एक रचनात्मक भागीदार (सरकार के) होंगे।'

नागरिकों के अधिकारों के बारे में सोचा जाना महत्वपूर्ण

पिचाई ने सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की थी। इसके बाद उन्होंने मंगलवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। आगामी कानून का जिक्र करते हुए पिचाई ने कहा, 'मुझे लगता है कि समाज में टेक्नोलॉजी का उपयोग जिस पैमाने पर बढ़ रहा है, वह भारत को आगे लेकर जाएगी। अब नागरिक अधिकारों के बारे में सोचा जा रहा है। विशेष रूप से गोपनीयता, सुरक्षा और डेटा आदि के बारे में। मुझे लगता है कि यह बहुत-बहुत महत्वपूर्ण होने जा रहा है।'

हम भारत के लिए कमिटेड

पिचाई ने कहा कि गूगल लंबे समय से भारत में है और लंबी अवधि के लिए देश के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए महत्वपूर्ण है कि हम डिजिटल इंडिया विजन के माध्यम से भारत की मदद करने के संदर्भ में एक जिम्मेदार स्थानीय कंपनी हैं।' साल 2020 में गूगल ने 10 बिलियन डॉलर के इंडिया डिजिटाइजेशन फंड (घ्ब्ज्) की घोषणा की। मंगलवार को पिचाई ने कहा कि फंड के साथ हुई प्रोग्रेस से गूगल 'अधिक प्रसन्न नहीं हो सकता'।

जियो और एयरटेल के साथ किये बड़े निवेश

गूगल के सीईओ ने कहा, 'हमने रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और कुछ दूसरी कंपनियों के साथ बड़े निवेश किए हैं। हमने जियो के साथ जो काम किया, उसका एक हिस्सा जियोफोन का विकास करना था। हम अन्य भागीदारों के साथ भी ऐसा कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य है कि हम अधिक से अधिक लोगों तक किफायती एक्सेस दे सकें।'

स्टार्टअप्स में करेंगे निवेश

उन्होंने कहा कि 5जी कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए भागीदारों के साथ काम करना डिजिटाइजेशन फंड के फोकस का एक बड़ा हिस्सा रहा है। कंपनी अब स्टार्टअप्स में निवेश करने पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है, खासकर उनमें जहां महिलाएं लीड कर रही हैं। उन्होंने कहा, 'मैं इसके बारे में उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि एआई आने वाले कई और नवाचारों के लिए अवसर प्रदान कर रही है। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हम आईडीएफ का उपयोग एग्रीकल्चर और हेल्थकेयर जैसे सेक्टर्स में योगदान के लिए भी करें।

सोनी के नये साउंडबार्स के साथ होम सिनेमा अनुभव नए आयाम पर

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

सोनी इंडिया ने 5.1.2 Ch और 3.1 Ch के साथ A सीरीज़ होम थिएटर सिस्टम की अपनी नवीनतम रेंज की घोषणा की HT-A5000HT-A3000 साउंडबारस जो Dolby Atmos® और DTS:X® के साथ एक उन्नत और क्रांतिकारी बहु-आयामी साउंड अनुभव प्रदान करते हैं। आधुनिक 360 स्पेसियल साउंड मानचित्रण तकनीक और साउंड क्षेत्र अनुकूलन के साथ संचालित जो किसी भी संगीत, फिल्म या खेल के लिए एक अविश्वसनीय इमर्सिव साउंडस्केप बनाता है। साउंडबार Google Assistant Ùee Amazon Alexa सक्षम उपकरणों के साथ-साथ मजबूत Bluetooth और Wi-Fi कनेक्टिविटी के साथ अच्छा काम करता है। HT-A5000 के साथ 450W और HT-A3000 के साथ 240W के साउंड आउटपुट के साथ, साउंडबार लाउड और क्लियर ऑडियो पैदा करता है।

HT-A5000 में परिष्कृत गोलाकार किनारों के साथ एक प्रीमियम मिनिमल सर्वदिशात्मक ब्लॉक डिज़ाइन है। HT-A3000 और वैकल्पिक स्पीकर भी एक सर्वदिशात्मक ब्लॉक अवधारणा में डिज़ाइन किए गए हैं। इसके प्रबुद्ध गोल किनारे व्यापक रूप से फैलने वाली साउंड प्रदान करने वाले एकल ठोस ब्लॉक का प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि समृद्ध सामग्री बनावट का संयोजन किसी भी बैठक के वातावरण के साथ आसानी से मिश्रित होता है। 360 स्पेसियल साउंड मैपिंग तकनीक के साथ, हर दिशा और दूर से आने वाले साउंड का अनुभव करें। और भी अधिक वैयक्तिकृत और इमर्सिव साउंड अनुभव का आनंद लेने के लिए, दोनों साउंडबार साउंड फील्ड ऑप्टिमाइजेशन के साथ आते हैं, जिसमें साउंडबार और रियर स्पीकर की सापेक्ष ऊंचाई और स्थिति को कुशलतापूर्वक मापने के लिए built-in माइक्रोफोन का उपयोग किया जाता है। HT-A5000 और HT-A3000 साउंडबार स्पष्ट, विस्तृत साउंड प्रदान करने के लिए एक साथ काम करते हैं। HT-A5000 5.1.2 चैनल साउंडबार गहरे बास के लिए built-in dual subwoofer और दो up-firing speakers के साथ आता है जो इमर्सिव ओवरहेड ऑडियो के लिए ऊँचाई से ध्वनि को दर्शाता है। HT-A3000 में 3.1 चैनल, स्पष्ट संवाद के लिए एक समर्पित सेंटर स्पीकर सहित तीन फ्रंट स्पीकर और डीप बास के लिए एक built-in dual subwoofer है।साउंडबार Sony के वर्टिकल सराउंड साउंड इंजन तकनीक के साथ आते हैं, जो दर्शकों को Dolby Atmos® और DTS:X® जैसे ऑडियो प्रारूपों के समर्थन के लिए धन्यवाद, जिस से घर पर सिनेमा के उत्साह का अनुभव का औसर मिलता है। उच्च-रिज़ॉल्यूशन ऑडियो के साथ कलाकारों के इरादे से संगीत का आनंद लें या वास्तव में इमर्सिव संगीत अनुभव के लिए 360 रियलिटी ऑडियो के साथ सुनने का एक नया तरीका खोजें, जैसे कि यह लाइव हो।

सूर्य, बुध और शुक्र का शुभ संयोग: धनु राशि में बुधादित्य और लक्ष्मी नारायण योग, कुंभ सहित 6 राशियों के लिए फायदे वाला समय

श्री रघुनंदन जी
9009369396
ज्योतिषाचार्य एवं वास्तुविद
अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन द्वारा गोल्ड मेडलिस्ट

सूर्य के धनु राशि में आने के साथ ही बुधादित्य योग बन गया है। ये शुभ योग 28 दिसंबर तक रहेगा। पंडितों के मुताबिक बुध और सूर्य ग्रह के एक राशि में युति करने से बुधादित्य योग बनता है। इससे पहले धनु राशि में शुक्र भी मौजूद है। इसलिए बुध-शुक्र की युति से लक्ष्मीनारायण नाम का एक और शुभ योग बन रहा है। इन दो बड़े शुभ योगों के बनने से कई लोगों की जॉब और बिजनेस में बड़े बदलाव हो सकते हैं। जो कि सुखद रहेंगे।

6 राशियों के लिए शुभ

तीन ग्रहों का शुभ संयोग बनने से मेष, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ और मीन राशि वाले लोगों के लिए समय अच्छा रहेगा। इन राशि वाले लोगों को जॉब और बिजनेस में तरक्की मिल सकती है। प्रॉपर्टी और आर्थिक मामलों में फायदा मिल सकता है। सेहत के लिए समय अच्छा रहेगा। किस्मत का साथ मिल सकता है। पारिवारिक मामलों के लिए भी समय शुभ कहा जा सकता है।

5 राशियों के लिए रहेगा मिला-जुला समय

तीनों ग्रहों का संयोग बनने से वृष, मिथुन, सिंह, कन्या और धनु राशि वाले लोगों के लिए मिला-जुला समय रहेगा। इन 5 राशि वाले लोगों को धन लाभ तो होगा, लेकिन खर्चा भी हो जाएगा। कुछ मामलों में सितारों का साथ मिलेगा वहीं कामकाज में रुकावटें, तनाव और विवाद होने की भी आशंका है। सेहत संबंधी परेशानी भी हो सकती है।

मकर राशि वालों को रहना होगा संभलकर

सूर्य, बुध और शुक्र के एक ही राशि में आ जाने से मकर राशि वालों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। कामकाज में रुकावटें आ सकती हैं। विवाद होने की आशंका है। धन हानि और सेहत संबंधी परेशानियां भी हो सकती हैं। नए काम की शुरुआत करने से बचना होगा। कर्जा न लें। कामकाज में लापरवाही और जल्दबाजी करने से भी बचना चाहिए।

तरक्की देता है बुधादित्य योग

सूर्य और बुध की युति से बन रहे बुधादित्य शुभ योग का ज्यादा फायदा मिथुन, कन्या, मकर और कुंभ राशि वालों को मिलेगा। इन राशियों के लोगों को जॉब और बिजनेस में तरक्की के मौके मिलेंगे। धन लाभ और फायदा हो सकता है। इनके अलावा कर्क और मीन राशि वालों के लिए भी समय शुभ रहेगा। इन दो ग्रहों के प्रभाव से बड़ी प्रशासनिक योजनाएं बनेंगी। उन पर काम होगा और फायदा भी मिलेगा। शेयर मार्केट से जुड़े लोगों के लिए अच्छा समय हो सकता है।

आर्थिक लाभ देने वाला लक्ष्मीनारायण योग

जब बुध और शुक्र एक साथ आते हैं, तो लक्ष्मी नारायण योग भी बनता है। इस योग को बहुत ही शुभ माना गया है। इसमें बुध के प्रभाव से बड़े आर्थिक लेनदेन, खरीदारी और निवेश होते हैं। ये बुद्धि को प्रभावित करने वाला ग्रह है। वहीं, शुक्र इनमें सुख और लाभ बढ़ाता है। इस ग्रह से कला और लग् इस शुभ योग के प्रभाव से आर्थिक फायदा, सौभाग्य और वैभव बढ़ता है। देश की आर्थिक स्थिति के लिए इन दोनों की स्थिति शुभ फल देने वाली रहेगी। इस शुभ योग से महंगाई कम होने की संभावना है।

23 दिसंबर को शुक्रवार और अमावस्या का योग

पौष महीने की अमावस्या पर नदी में स्नान करने की और पितरों के लिए तर्पण और धूप-ध्यान करने की परंपरा

संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

शुक्रवार, 23 दिसंबर को पौष महीने की अमावस्या है। इस दिन पौष मास का शुक्ल पक्ष खत्म हो जाएगा। अमावस्या का महत्व भी पर्व की तरह ही है और इससे संबंधित कई परंपराएं है, जिनका पालन करने से धर्म लाभ के साथ ही सेहत को भी लाभ मिलता है। पौष अमावस्या पर कौन-कौन से शुभ काम किए जा सकते हैं...

- अमावस्या पर किसी पवित्र नदी में स्नान और तीर्थ दर्शन करना चाहिए। शुक्रवार को किसी पौराणिक मंदिर में दर्शन करें। अगर इस दिन किसी वजह से नदी में स्नान करने नहीं जा पा रहे हैं तो अपने घर पर पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करें।
- मंदिर दर्शन करने नहीं जा पा रहे हैं तो घर के मंदिर में ही पूजन करें। अपने इष्टदेवों के मंत्रों का जप करें।
- अमावस्या तिथि के स्वामी पितर देवता माने गए हैं। इसलिए अमावस्या पर घर के पितर देवता को लिए धूप-ध्यान करें। नदी स्नान करने जाए तो स्नान के बाद पितरों के नाम से तर्पण करें। हाथ में नदी का जल लें और अंगूठे की ओर से जल अर्पित करें।
- पितरों के लिए धूप-ध्यान करने के लिए दोपहर का समय सबसे अच्छा रहता है। गाय के गोबर से बने कंडे जलाएं। जब कंडे से धूआं निकलना बंद हो जाए, तब कंडे के अंगारों पर गुड़-घी अर्पित करें। पितरों का ध्यान करें। हथेली में जल लेकर अंगूठे की ओर से अर्पित करें।
- इस दिन भगवान विष्णु और महालक्ष्मी का अभिषेक करें। विष्णु-लक्ष्मी की पूजा करें। मिठाई का भोग तुलसी के साथ लगाएं। धूप-दीप जलाकर आरती करें और ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें। ध्यान रखें
- अमावस्या पर तुलसी नहीं तोड़ते हैं, इसलिए एक दिन पहले ही पूजा के लिए तुलसी के पत्ते तोड़कर रख लें।
- शुक्रवार का कारक ग्रह शुक्र है। इसलिए शुक्रवार को शिव जी की पूजा करें। शिवलिंग रूप में ही शुक्र की पूजा की जाती है। शिवलिंग पर दूध चढ़ाएं। ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जप करें।

अपने घर में लगाएं इस शेप के क्रिसमस ट्री, खुल जायेंगे तरक्की के रास्ते

दुनिया भर में लोग 25 दिसंबर को क्रिसमस सेलिब्रेट करते हैं. क्रिसमस के लिए क्रिसमस ट्री सजाने की परंपरा सालों से चली आ रही है. ऐसी मान्यता है कि 25 दिसंबर को ईसा के जन्म की खुशी में स्वर्ग दूतों ने फर्न के पेड़ों को रोशनियों और सितारों से सजा दिया था. उन्हीं की याद में लोग हर साल अपने-अपने घरों में क्रिसमस ट्री सजाते हैं. लेकिन क्या अप जानते हैं क्रिसमस ट्री से घर के वास्तु दोष भी दूर होते हैं. जानें वास्तु अनुसार घर की किस दिशा में कहां और कैसे क्रिसमस ट्री सजाएं.

तिकोना हो क्रिसमस ट्री का शेप

अपने घर में तिकोन शेप के क्रिसमस ट्री लगाएं. ट्री का ऊपरी भाग तिकोना और ऊपर की ओर बढ़ता हुआ होता है तो इसे वास्तु के अनुसार शुभ माना गया है. ऐसे क्रिसमस ट्री से घर और जीवन में उन्नति तरक्की के मार्ग खुलते हैं. सही शेप वाला क्रिसमस ट्री लगाने से घर के लोगों में प्यार बढ़ता है.

इस दिशा में क्रिसमस ट्री लगाना होता है शुभ

वास्तु के अनुसार क्रिसमस ट्री को घर की उत्तर या पूर्व दिशा में लगाना चाहिए. ये दिशा सकारात्मकता की दिशा मानी जाती है इसलिए घर के उत्तर दिशा में ही क्रिसमस ट्री लगाएं. वहीं कभी भी घर के दक्षिण दिशा में क्रिसमस ट्री न लगाएं. घर के आंगन या लॉन में भी क्रिसमस ट्री लगाना बहुत शुभ माना जाता है. इससे घर में कभी भी पैसों की कमी दूर नहीं होती.

रंग-बिरंगे लाइट्स से सजाना होता है शुभ

क्रिसमस ट्री को रंग-बिरंगे लाइट्स से सजाना शुभ माना जाता है. मान्यता है कि ऐसा करने से घर के बच्चों की आयु में वृद्धि होती है और हेल्थ संबंधी परेशानियां दूर होती हैं.

स्टार से डकोरेशन

क्रिसमस ट्री को स्टार से भी सजाया जाता है. क्रिसमस ट्री पर स्टार लगाने से जीवन में उत्साह और उमंग की वृद्धि होती है.

खिलौनों से क्रिसमस ट्री डेकोरेशन

क्रिसमस ट्री को सजाते हुए उसमें कुछ खिलौने भी लगाने चाहिए. ऐसा माना जाता है कि क्रिसमस ट्री पर लगाए गए खिलौनों को बच्चों में बांट देने से घर में खुशियां आती हैं.

आचार्य संतोष भार्गव
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ

क्रिसमस ट्री लगाने दूर होती है निगेटिविटी

क्रिसमस ट्री सजाने से घर में मौजूद निगेटिविटी दूर होती है और पॉजिटिविटी बढ़ती है.

अपनी pinky finger की लम्बाई से जानिए कैसी है आपकी पर्सनालिटी? स्वभाव, लक्षण

क्या आप जानते हैं कि आपकी उंगलियों से यह समझा जा सकता है कि आप किस तरह के इंसान हैं. आपको बात दें कि आपकी अंगुलियों की लम्बाई आपके व्यक्तित्व पर रोशनी डालती है. ऐसे जानें अपनी पर्सनालिटी.

जब कनिष्ठा अंगुली होती है अनामिका से लंबी

कनिष्ठा उंगली, अनामिका उंगली के पहले पोर से लंबी हो. जिस व्यक्ति की कनिष्ठा अंगुली, अनामिका से लंबी होती है वह व्यक्ति बहुत संवेदनशील और भावुक होता है. ऐसा व्यक्ति लोगों को जरूरत से ज्यादा प्यार देता है. लेकिन ऐसा व्यक्ति बहुत गोपनीय भी होता है. वह किसी भी फैसले पर पहुंचने के पहले सोचने का वक्त जरूर लेता है. दूसरों के विचारों से ऐसे व्यक्ति जल्दी प्रभावित नहीं होते और इनकी यही विशेषता इनको आत्मविश्वासी और निडर बनाती है. अपने लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पित रहना ऐसे व्यक्ति के लिए स्वाभाविक है. इन लोगों के जीवन में इनके पार्टनर का बहुत महत्वपूर्ण स्थान होता है. लेकिन कभी-कभी आपनी बात को सही साबित करने के लिए यह आक्रामक भी हो जाते हैं.

जब कनिष्ठा अंगुली होती है अनामिका से छोटी

कनिष्ठा उंगली, अनामिका उंगली के पहले पोर तक न पहुंच पाये उससे कम हो. जिस व्यक्ति की कनिष्ठा अंगुली अनामिका से छोटी होती है वह व्यक्ति बहुत अच्छा श्रोता होता है. वह लोगों की जरूरतों और परेशानियों को सुनता है और उनका ख्याल रखता है. ऐसा व्यक्ति भावना और तर्क दोनों को महत्व देता है. इन लोगों में माफी देनी की प्रवृती तो होती है लेकिन वह किसी भी बात को जल्दी भूलते नहीं और ऐसे रिश्ते या परिस्थितियां जो उन्हे ठेस पहुंचा सकती हो, उनसे दूरी बना लेते हैं. समाज के कमजोर वर्ग का उद्धार करने से इन्हें बेहद खुशी मिलती है. परोपकारी कार्य करना इनके लिए स्वाभाविक है. ऐसे व्यक्ति सिद्धांतवादी होते हैं और अपने सिद्धांतों के साथ इन्हें किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं.

जब कनिष्ठा अंगुली और अनामिका बराबर हों

कनिष्ठा उंगली, अनामिका के पहले पोर के बराबर लंबाई में हो. जिस व्यक्ति की कनिष्ठा और अनामिका बराबर होती है वह शांत मन और चित का होता है. ऐसे व्यक्ति के पास अपनी भावना और विचारों को नियंत्रण करनी की कला होती है. इन लोगों को शांत वातावरण में समय व्यतीत करना पसंद होता है. यह संगठित योजनाकार होते हैं और अपने रिश्तों और काम के बीच हमेशा संतुलन बनाए रखते हैं. यह स्वाभाविक आत्मजागरुक होते हैं और भीड़ में अपनी पहचान को कायम रखते हैं.

लैंड रोवर ने भारत में यात्रा के अनूठे अनुभवों, डिफेंडर जर्नीज़ को पेश किया

वाहनों में तैयार किया गया सेल्फ-ड्राइव एडवेंचर प्रोग्राम

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

जगुआर लैंड रोवर इंडिया ने भारत में विशेष तौर पर बनाए गए अनूठे यात्रा अनुभवों, 'डिफेंडर जर्नीज़' की पेशकश की है। यह डिफेंडर वाहनों में सेल्फ-ड्राइव के साथ कई दिनों तक चलने वाला एडवेंचर प्रोग्राम है। इसमें देश भर के कई महत्वाकांक्षी और उपभोक्ताओं की ओर से सबसे ज्यादा मांग वाले कार्यक्रमों को शामिल किया गया है। हर डिफेंडर जर्नी में उपभोक्ताओं को आरामदायक ढंग से ठहरने और शानदार मेजबानी की सुविधा दी जाएगी। इस यात्रा में उपभोक्ताओं को लाइफस्टाइल से जुड़े शानदार अनुभव मिलेंगे, उन्हें अलग-अलग जगहों की संस्कृति को जानने के साथ ही डिफेंडर का शानदार ड्राइविंग अनुभव देने वाले ऑफ-रोड ट्रेल्स के साथ भारत के कुछ सबसे प्रतिष्ठित मार्गों में ड्राइव करने का मौका मिलेगा। हर जर्नी में 5 डिफेंडर तैनात की जाएगी। इसमें 5 ड्राइव स्लॉट्स प्रदान किए जाएंगे, जोकि यात्रियों को विशिष्ट एवं निजी अनुभव देंगे।

पहली डिफेंडर जर्नी को 'कोंकण एक्सपीरियंस' के नाम से जाना जाएगा और इसकी शुरुआत 16 जनवरी 2023 से होगी। जगुआर लैंड रोवर के प्रेसिडेंट और प्रबंध निदेशक रोहित सूरी ने कहा, 'डिफेंडर के उपभोक्ता एक्टिव होने के साथ-साथ रोमांच के शौकीन हैं। डिफेंडर शानदार ड्राइविंग क्षमता और खूबसूरत डिजाइन के साथ अपने समझदार ग्राहकों को इस कार्यक्रम से जोड़ने का बेहतरीन अवसर प्रदान करता है। इसमें उपभोक्ताओं को हमारे खूबसूरत देश की सांस्कृतिक विविधता की खोज का मौका मिलेगा। चाहे वह हैरतअंगेज तटीय क्षेत्र हों, हिमालय की बर्फ से ढकी सफेद चोटियां हों या थार रेगिस्तान में कम समय के लिए बनने वाले रेत के टीले हों। हर जर्नी इस यात्रा को यादगार अनुभव बना देगी।'

कोंकण एक्सपीरियंस

यह गोवा और बेंगलुरु के बीच सात दिनों का सफर होगा, जिसमें उपभोक्ताओं को कोंकण तट पर स्थित शहरों में घूमने के साथ ही पश्चिमी घाट की पहाड़ियों के साथ इन दोनों शहरों के बीच आने वाले आकर्षक कुदरती नजारे देखने का मौका मिलेगा। कोंकण एक्सपीरियंस में रोमांच से भरपूर हैरतअंगेज अनुभव मिलेंगे। अलग-अलग खूबसूरत समुद्री तटों पर घूमने के साथ ही आप पहाड़ों की ठंडी हवा में बेहद कलात्मक ढंग से बनाई गई स्वादिष्ट कॉफी की चुस्कियां ले सकते हैं। यात्रियों के ठहरने के लिए आरामदायक जगहों का प्रबंध किया गया है, जहां वे तरह-तरह के स्वादिष्ट व्यंजनों को चखने के साथ रोमांचक गतिविधियों में हिस्सा ले सकेंगे।

नीलगिरि एक्सपीरियंस

पश्चिमी घाट और नीलगिरि के चाय के बागानों से होते हुए बेंगलुरु और कोयंबटूर की यात्रा कुदरत के खूबसूरत नजारों से भरपूर होगी। सात दिनों की इस नीलगिरि की यात्रा में विशाल और शानदार जंगलों की यात्रा भी होगी। यहां टाइगर रिजर्व देखने, आरामदायक जगहों पर ठहरने और क्रूज से सूर्यास्त का शानदार दृश्य देखने का अवसर मिलेगा।

कोरोमंडल एक्सपीरियंस

इसमें बंगाल की खाड़ी तक फैले असाधारण तट और पूर्वी घाट में कोयंबटूर से चेन्नई के बीच की यात्रा होगी। कोरोमंडल एक्सपीरियंस एक सांस्कृतिक रूप से समृद्ध क्षेत्र की यात्रा है, जोकि उपभोक्ताओं को इस जगह की रंगबिरंगी विरासत और परंपराओं से परिचित कराती है।

मालाबार एक्सपीरियंस

कोयंबटूर और कोच्चि की यात्रा इस जगह के अनोखे भूगोल से यात्रियों को रूबरू कराएगी। यहां यात्री नदी के शांत जल का आनंद ले सकेंगे। साफ-सुथरे समुद्र तट, समृद्ध संस्कृति और यहां की खास विशेषता, मसालों से भी परिचित हो सकेंगे। मालाबार एक्सपीरियंस उपभोक्ताओं को हर कदम पर हैरत में डालेगा।

जगुआर लैंड रोवर इंडिया ने कौगर मोटरस्पोर्ट को भारत में डिफेंडर जर्नीज़ की योजना बनाने और उसे अमल में लाने का काम सौंपा है। लैंड रोवर के प्रशिक्षण प्राप्त इंस्ट्रक्टर्स की टीम हर यात्रा का नेतृत्व करेगी और यात्रियों को मार्गदर्शन प्रदान करेगी। जिससे इस पूरी यात्रा का अनुभव इसमें भाग लेने वाले लोगों के लिए बेहद आसान और सुविधाजनक बन जाएगा।

हायर इंडिया रेफ्रिजरेटर कैटेगरी में ऊर्जा कुशल अप्लायंस' के रूप में सम्मानित

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

विश्व में होम अप्लायंसेस व कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स में प्रमुख और लगातार 13 वर्षों से प्रमुख अप्लायंसेस में विश्व के नंबर 1 ब्रांड, हायर को ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (बीईई)- विद्युत मंत्रालय, राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार (एनईसीए) 2022, भारत सरकार द्वारा 'वर्ष के सबसे ऊर्जा कुशल अप्लायंस' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। पुरस्कार समिति द्वारा हायर के 5 स्टार रेंज वाले मॉडल नंबर: एचआरडी-1955 को रेफ्रिजरेटर कैटेगरी में विजेता के रूप में चुना गया है। बीईई द्वारा हायर को एनईसीए में लगातार दूसरे वर्ष यह मान्यता दी गई है। इस पुरस्कार समारोह का आयोजन विज्ञान भवन, नई दिल्ली में किया गया, जिसमें भारत की माननीय राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के साथ ही साथ अन्य गणमान्य व्यक्ति- आरके सिंह, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा; कृष्ण पाल, बिजली और भारी उद्योग राज्य मंत्री; आलोक कुमार, सचिव, विद्युत मंत्रालय शामिल रहे। सम्मान प्राप्त करने पर अपने भाव व्यक्त करते हुए श्री सतीश एनएस, अध्यक्ष, हायर अप्लायंसेस इंडिया, ने कहा, ''प्रेरित जीवन' की हमारी ब्रांड पहचान को सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों में से एक के रूप में पहचाना और सम्मानित किया गया है। यह हमारे लिए बेहद गर्व का क्षण है और इसे लेकर हम बहुत खुश हैं। इस मान्यता के लिए हम एनर्जी एफिशिएंसी ब्यूरो को धन्यवाद् देना चाहते हैं। हमारे बिज़नेस का लक्ष्य हमेशा से ही पृथ्वी और पर्यावरण के प्रति स्थिरता और जिम्मेदारी भाव रखना रहा है। हम भविष्य में भी मैन्युफैक्चरिंग और वितरण के लिए सार्थक और पर्यावरण के अनुकूल तरीके अपनाना जारी रखेंगे।'

हर वर्ष 14 दिसंबर को पूरे देश में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। इस मौके पर, राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार का आयोजन किया जाता है, जिसमें भारत सरकार के प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों द्वारा विभिन्न औद्योगिक इकाइयों / प्रतिष्ठानों / संगठनों की सराहना की जाती है, जो ऊर्जा दक्षता उपायों को अपनाने के लिए प्रयासरत हैं।

शक्ति पंप्स को एक्सीलेंस इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट अवार्ड

मुंबई में आयोजित समारोह में ईईपीसी इंडिया द्वारा किया गया सम्मानित

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल इंडिया (ईईपीसी इंडिया) द्वारा ख्यात और तेजी से स्थापित हुई इंडस्ट्री शक्ति पंप्स को एक्सीलेंस इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया है। भारत सरकार के कामर्स एंड इंडस्ट्री मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत ईईपीसी इंडिया ने यह अवार्ड अपने 37वां वेस्टर्न रीजन अवार्ड समारोह में मुंबई के होटल फोर सीजन में प्रदान किया। पुरस्कार केन्द्रीय कामर्स एंड इंडस्ट्री राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल के हाथों शक्ति पंप्स के रमेश पाटीदार, डायरेक्टर – एक्सपोर्ट को एक गरिमामय समारोह में दिया गया। यहाँ अवार्ड शक्ति पंप्स को वर्ष 2018-19 के लिए प्रोडक्ट ग्रुप में स्टार परफॉर्मर के लिए दिया गया। यह अवार्ड बड़े उद्यम की श्रेणी में पंप, कंप्रेसर, हाइड्रोलिक और न्यूमेटिक पावर इंजन एंड उनके पार्ट्स के लिए दिया गया। इसके अतिरिक्त शक्ति पंप के डायरेक्टर दिनेश पाटीदार को बेस्ट इंडस्ट्रिलिस्ट से लेकर कई अन्य अवार्ड मिल चुके है। शक्ति पंप्स के चेयरमेन श्री दिनेश पाटीदार ने इस अवार्ड को अपने समस्त कार्यबल और शक्ति पंप्स से जुड़े लोगों को समर्पित किया है। उनका कहना है कि ऐसे अवार्ड हमेशा अच्छा करने की प्रेरणा देते है और इनसे एक नई ऊर्जा मिलती है। शक्ति पंप्स हमेशा से कुछ इनोवेटिव और बढ़िया करने की कोशिश करता रहता है। इसी का परिणाम है कि उसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार मान्यता मिल रही है।

सयाजी इंदौर ने ढेर सारी नई सुविधाओं के साथ अपने रेस्तरां 'सांची' को रिलॉन्च किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

सयाजी इंदौर ने अपने अखिल भारतीय लक्ज़री फाइन डाइन रेस्तरां, सांची को नई सजावट और सौंदर्य के साथ रिलॉन्च किया। सांची में देश के विभिन्न हिस्सों से सूखे मेवों और मसालों के भरपूर स्वाद के साथ अपने विशिष्ट नॉर्थ-वेस्टर्न फ्रंटियर इलाके के व्यंजन उपलब्ध हैं, जो सांची को एक खास पहचान देते हैं। सयाजी इंदौर की यह लगातार तीसरी ओपनिंग की है, जिसे सयाजी ने पिछले महीने में शहर की मांग पर ध्यान देते हुए लॉन्च किया है। सांची अखिल भारतीय व्यंजनों का लुत्फ उठाने के लिए एक खास जगह है जो आपके लिए दूर-दराज के इलाकों के स्वादिष्ट व्यंजन पेश करते हैं। स्टाइलिश ढंग से तैयार किए गए, इस आधुनिक रेस्तरां में विभिन्न तरह के भारतीय व्यंजन मौजूद हैं, जो किसी खास अवसर या आकस्मिक पारिवारिक खानपान के आयोजन के लिए काफी कारगर साबित होते हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से बेस्ट-इन-क्लास भारतीय भोजन की पेशकश के साथ ही, सांची के मेनू में खास तौर पर क्यूरेट किए गए कॉकटेल और मॉकटेल उपलब्ध हैं, जो हमारे मेहमानों के स्वाद को संतुष्टि प्रदान करते हैं। रेस्तरां के खास पेय पदार्थ (बेवरेज) मसालों से भरपूर भारतीय स्वादों का आनंद लेने के लिए एक आदर्श कोर्स हैं। रेस्तरां में बादामी मुर्ग शोरबा, पीली मिर्ची और ज़ाफ़रानी पनीर टिक्का, कबाब, दाल-ए-सांची, बंगाली प्रॉन करी, शिश रंग दम-बिरयानी जैसे स्वादिष्ट व्यंजन बड़े सलीकेदार और ज़ायकेदार माहौल में परोसे जाएंगे। रिलॉन्च के मौके पर, श्री प्रसाद राव, डायरेक्टर ऑफ ऑपरेशंस, सयाजी इंदौर ने कहा कि 'सांची के लिए मेहमानों के दिल में एक खास जगह है और मुझे यकीन है कि यह उनकी उम्मीदों से अधिक साबित होगा। इस रिलॉन्च के साथ हम पूरी सक्रियता के साथ नई सेवाएं प्रदान करने और अपने मेहमानों को स्वादिष्ट भोजन का स्वाद प्रदान करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

मेट्रो के लाखों ग्राहकों के लिए लॉन्च किया क्रेडिट कार्ड

मेट्रो कोटक क्रेडिट कार्ड मेट्रो में हर महीने 10 हजार रुपये तक का कैशबैक

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड 'ने भारत के प्रमुख संगठित होलसेल और फ़ूड स्पेशलिस्ट मेट्रो कैश ऐंड कैरी इंडिया के सहयोग से एक नया को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड 'मेट्रो कोटक क्रेडिट कार्ड' लॉन्च किया। यह कार्ड मेट्रो इंडिया के 3 मिलियन से अधिक ग्राहकों को 48 दिनों तक के लिए आसान, ब्याज रहित ऋण की सुविधा मुहैया करेगा। इस कार्ड को रूपे नेटवर्क पर लॉन्च किया गया है।

मेट्रो के ग्राहकों की संख्या में छोटे व्यापारी, किराना मालिक, एमएसएमई, छोटे रेस्त्राँ, होरेका होटल, रेस्त्राँ, और कैटरर्स कारोबारी, कार्यालय, कंपनियाँ संस्थान और स्व-रोजगार करने वाले प्रोफेशनलस शामिल हैं।

नया मेट्रो कोटक क्रेडिट कार्ड का भारत के 21 शहरों में स्थित 31 होलसेल वितरण केन्द्रों स्टोर्स के मेट्रो नेटवर्क में और ईकॉमर्स प्लैटफॉर्म मेट्रो होलसेल ऐप पर इस्तेमाल किया जा सकता है। मेट्रो कोटक क्रेडिट कार्ड को रिटेलर्स की उधार संबंधी ज़रुरतें पूरी करने के लिए डिजाईन किया गया है जो अपनी रिटेल दुकानों में स्टॉक रखने के लिए मेट्रो से थोक में खरीदारी करते हैं। बी2बी सेगमेंट में आकर्षक क्रेडिट फैसिलिटी – मेट्रो के व्यावसायिक ग्राहकों के लिए 48 दिनों तक के लिए ब्याज-मुक्त उधार होगा। क्रेडिट लिमिट रेंज - 25,000/- रुपये से शुरू, जिसकी अधिकतम सीमा मेट्रो से ग्राहक के खरीद पैटर्न के आधार पर तय होगी। कैश या ऑनलाइन ट्रान्सफर के माध्यम से रिपेमेंट चुकौती करने के सुविधाजनक विकल्प के साथ कार्ड का प्रयोग करने वाले हर महीने 10,000 रुपये तक कैशबैक कमा सकते हैं। जो मेट्रो में उनके मासिक क्रय खर्च पर निर्भर करेगा।

कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटटेड के बिजनेस हेड - क्रेडिट काड्र्स, फ्रेडरिक डिसूजा ने कहा कि, 'हमें लाखों छोटे व्यापारियों, किराना मालिकों और एमएसएमई के लिए विशिष्ट रूप से तैयार क्रेडिट कार्ड लॉन्च करके खुशी हो रही है, जो हमारे देश में रिटेल इंडस्ट्री की रीढ़ हैं। तेजी से बढ़ते रिटेल बाज़ार में असंगठित कारोबारियों का अनुपात लगभग 80% है। इस ख़ास पेशकश के माध्यम से हम इस सेगमेंट की क्रेडिट और फाइनेंस से सम्बंधित ज़रूरतें पूरी कर रहे हैं। इसमें एक बड़े बाज़ार का अवसर है।' लॉन्च के विषय में एनपीसीआई के हेड - रूपे, डेनी वी थॉमस ने कहा कि, 'हमें रुपे नेटवर्क पर मेट्रो कोटक क्रेडिट कार्ड की पेशकश के लिए कोटक महिंद्रा बैंक, मेट्रो कैश एंड कैरी के साथ सहयोग करके बेहद खुशी हो रही है। हमारा मानना है कि यह कार्ड काफी सोच-समझ कर डिजाईन किया गया है ताकि यह रिटेल दुकान संचालकों की ज़रुरत पूरी कर सके और उन्हें लाभकारिता और दिन-प्रतिदिन के परिचालनों को तेज करने में मदद कर सके।

OPPO INNO DAY 2022 में नई टेक्नॉलॉजी और वर्चुअस इनोवेशन के साथ भविष्य को सशक्त बनाएं

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

ओप्पो ने अपने OHealth brand के तहत, पहले उत्पाद, OHealth H1 फैमिली हैल्थ मॉनिटर के साथ अपनी दूसरी सैल्फ-डेवलप्ड चिप, MariSilicon Y ब्लूटूथ ऑडियो SoC, और OPPO Air Glass 2 का अनावरण किया, ताकि यूज़र्स को इंटैलिजेंट लिविंग का अनुभव प्राप्त हो।

वर्चुअस इनोवेशन में अपने विश्वास के साथ ओप्पो ज्यादा साझेदारों के साथ बेहतर भविष्य के लिए नई संभावनाएं प्रस्तुत करेगा।

India, 2022 - आज ओप्पो ने अपनी वार्षिक टेक्नॉलॉजी ईवेंट, OPPO INNO

DAY 2022 का आयोजन एक लाईव स्ट्रीमलाईन होने वाले ऑनलाईन फॉर्मेट में किया। 'बेहतर भविष्य को सशक्त बनाने' की थीम के साथ इस ईवेंट में स्मार्ट एंटरटेनमेंट, स्मार्ट प्रोडक्टिविटी, स्मार्ट हैल्थ, और स्मार्ट लर्निंग में अपने चार स्मार्ट अभियानों को मजबूत करने की ओप्पो की इच्छाशक्ति का प्रदर्शन हुआ, ताकि सभी के लिए एक समावेशी और बेहतर भविष्य बनाने के लिए ज्यादा इनोवेशन प्रदान किया जा सके।

OHealth H1, MariSilicon Y और Air Glass 2 के साथ स्मार्ट लाईफ का आनंद लें

अपने चार अभियानों के तहत, ओप्पो ने स्मार्ट हैल्थ टेक्नॉलॉजी के विकास में काफी ज्यादा संसाधनों का निवेश किया है। ओप्पो ने यूज़र्स को सेहतमंद जीवनशैली विकसित करने में मदद करने के लिए सक्रिय समाधान प्रदान करने के लिए न केवल 2021 में ओप्पो हैल्थ लैब की स्थापना की, बल्कि इस साल एक नए हैल्थकेयर सब-ब्रांड, OHealth का निर्माण भी किया। इनो डे 2022 के दौरान ओप्पो ने अपने OHealth brand के अंतर्गत पहले उत्पाद, OHealth H1 फैमिली हैल्थ मॉनिटर का अनावरण किया। OHealth H1 में स्वास्थ्य की मॉनिटरिंग के लिए छः फंक्शंस हैं, जो एक ही डिवाईस में पूरे परिवार के उपयोग के लिए हैं। इसमें ब्लड ऑक्सीजन, ईसीजी, हार्ट एवं लंग ऑस्कलटेशन, हार्ट रेट, शरीर का तापमान और नींद को ट्रैक करना शामिल है।

मीशो पर मध्य प्रदेश से सैलर्स भारत में 2022 के ई-कॉमर्स ट्रेंड्स का कर रहे मानचित्रण

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत के एकमात्र टू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस, मीशो के लिए 2022 का साल बहुत उपलब्धियों वाला रहा क्योंकि इस साल हमने इंटरनेट कॉमर्स को हर व्यक्ति तक पहुँचाने के अपने मिशन की दिशा में नए मानक स्थापित किए। इस साल हमने सेल के तीन रिकॉर्ड स्थापित किया, हर रिकॉर्ड पिछले से बेहतर था, और देष के सभी कोनों से किफायत पसंद करने वाले उपभोक्ताओं ने विस्तृत संग्रह पर हमारे दैनिक सबसे कम मूल्यों का लाभ उठाया।

पिछले एक साल में मध्य प्रदेष से मीशो में शामिल होने वाले एमएसएमई की संख्या बढ़ी है, जिसका कारण कंपनी द्वारा उद्योग पर केंद्रित अभियान, जैसे जीरो कमीशन और जीरो पैनल्टी आदि हैं। पिछले 12 महीनों में 300 से ज्यादा सैलर्स करोड़पति बने, जबकि मध्य प्रदेश से 5,000 सैलर लखपति बन गए। इस साल राज्य से इस प्लेटफॉर्म में शामिल होने वाले सप्लायर्स की संख्या 95 फीसदी बढ़ी, जिनमें से 65 प्रतिषत का आनलाईन सफर मीशो के साथ शुरू हुआ। मध्य प्रदेष में शॉपर्स द्वारा सबसे ज्यादा खरीदे गए उत्पाद ब्लूटूथ हेडफोन और ईयरफोन, लहंगा चोली, स्मार्ट वॉच, एक्सटेंशन बोर्ड और कॉटन बेडशीट थे।

विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों और सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमियों में ई-कॉमर्स की स्थिर वृद्धि के साथ मीशों देश के विविध ग्राहक आधारों के लिए किफायत और एक्सेस को बढ़ावा दे रहा है।

नोएडा में भी बनेगा एप्पल का आईफोन 16

जमीन के लिए आया इन कंपनियों का आवेदन

ग्रेटर नोएडा। एजेंसी

वह दिन दूर नहीं, जबकि ग्रेटर नोएडा में भी एप्पल का आईफोन बनेगा। दरअसल, यमुना अथॉरिटी में बड़ी-बड़ी कंपनियां जमीन लेने के लिए इच्छुक हैं। उन्होंने अथॉरिटी से जमीन की मांग की है। इसी क्रम में एप्पल और तीन सहयोगी कंपनियों ने मोबाइल फोन की एसेसरीज बनाने के लिए यमुना प्राधिकरण में आवेदन दिया है। कंपनियों ने करीब 23 एकड़ जमीन पर 2,800 करोड़ के निवेश से इकाई लगाने का प्रस्ताव रखा है। उल्लेखनीय है कि एप्पल की योजना भारत में आईफोन 16 बनाने की योजना है।

यमुना अथॉरिटी के अधिकारी गए थे जापान और कोरिया

यमुना प्राधिकरण के अधिकारी पिछले सप्ताह जापान और कोरिया से निवेश जुटाने के लिए गए थे। वहां एप्पल कंपनी के अधिकारियों के साथ बैठक भी हुई। इस दौरान एप्पल और उसकी सहयोगी कंपनियों ने भारत में 2,800 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव रखा। इंक बनाने वाली एप्पल की सहयोगी कंपनी सीको एडवांस लिमिटेड यीडा के सेक्टर 29 में 5 एकड़ में अपना उत्पाद बनाने की इच्छा जाहिर की है। यह कंपनी 850 करोड़ रुपए का निवेश करेगी और हजारों लोगों को रोजगार देगी।

सेक्टर 29 में दी जाएगी जमीन

यमुना प्राधिकरण के सीईओ अरुण वीर सिंह के मुताबिक एप्पल और उनकी सहयोगी कंपनियों को सेक्टर 29 में जमीन दी जाएगी। यह सेक्टर पहले से ही विकसित है और यहां पर कई सुविधाएं लगभग तैयार है। इससे कंपनियां अपनी फैक्ट्री के निर्माण के बाद प्रोडक्शन शुरू कर सकेंगी। इन कंपनियों ने इसके लिए करार कर यमुना प्राधिकरण के समक्ष 10 फीसदी राशि भी जमा करा दी है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।